जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

6 दिसंबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू

एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी के सहयोग से पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग (डीटीएचएम), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आज से शुरू हुआ। एफडीपी की शुरुआत अध्यक्ष, डीटीएचएम, जेएमआई तथा एफडीपी की संयोजक डॉ. सारा हुसैन के स्वागत वक्तव्य से हुई।

अपने संबोधन में डॉ. हुसैन ने कोलोबोरेटिव एफडीपी और समकालीन समय में इसके महत्व पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न मुद्दों को सूचीबद्ध किया जिन पर एफडीपी में विचार किया जाएगा और उन प्रख्यात पैनलिस्टों का परिचय दिया जो अपनी अनुभवी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे जिससे एफडीपी प्रतिभागियों को लाभ होगा। डॉ. हुसैन ने एफडीपी को समर्थन देने के लिए विभाग की ओर से जामिया कुलपति, प्रो नजमा अख्तर को हार्दिक धन्यवाद दिया।

इसके बाद मुख्य वक्ता श्री. राकेश माथुर (मानद अध्यक्ष, रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म सोसाइटी ऑफ इंडिया) ने अपना वक्तव्य दिया जिसमें उन्होंने भारत में विशेष रूप से पर्यटन उद्योग में रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म के विकास को रेखांकित किया, जिसमें यात्रा, आवास और अन्य सहायक क्षेत्रों तथा सभी हितधारकों को शामिल किया।

एफडीपी के सह-संयोजक प्रो. निमित चौधरी ने मुख्य वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म की प्रासंगिकता पर जोर दिया।

एफडीपी का पहला सत्र प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय स्पीकर, प्रो. हेरोल्ड गुडविन (सलाहकार, डब्ल्यूटीएम रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म एमेरिटस प्रोफेसर) द्वारा परिचयात्मक चर्चा के साथ शुरू किया गया, जिसमें रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म पर एक अंतर्दृष्टि डाली गई।

पोस्ट लंच सत्र में, श्री के. रूपेश कुमार (समन्वयक, स्टेट रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन, केरल के नोडल अधिकारी) ने रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के अनुकरणीय और अत्यधिक सफल मॉडल का प्रदर्शन करते हुए केरल के अपने अनुभवों को साझा किया, जिसमें रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म रिसोर्स मेपिंग के बारे में विस्तार से बताया गया। रिसोर्स मेपिंग स्थानीय समुदाय, संभावित पर्यटन उत्पादों और सेवाओं तथा अनुभवात्मक पर्यटन गतिविधियों की भागीदारी पर पीपर फ्लो की चर्चा करती है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया